पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राज्यपाल सूचना परिसर)

————————

राज्यपाल ने सिद्धार्थनगर विश्वविद्यालय कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर के नैक हेतु प्रस्तुतिकरण की समीक्षा की

————————

नैक के निर्धारित मानकों के अनुसार सुसंबद्ध विवरण के साथ प्रस्तुतिकरण को सुदृढ़ करें

————————

प्रत्येक बिंदु पर सुसंगत गतिविधियुक्त फोटो विवरण के साथ लगाएं

————————

विश्वविद्यालय की उप्लब्धिपरक गतिविधियों को प्रमुखता से दर्शाएं

————————

रोजगारपरक कोर्स को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए

————————

छात्रों के फीड बैक का विश्लेषण करते हुए समस्याओं का करें समाधान

————————

विश्वविद्यालय की नैक टीम आपसी समन्वय से नैक के प्रत्येक मानक का अध्ययन कर बिन्दुवार तैयारी करें

————————

आवश्यक सुधार करने के बाद ही एस.एस.आर. दाखिल किया जाए

–राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल

————————

लखनऊः 21 जुलाई, 2023

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज यहाँ राजभवन स्थित प्रज्ञाकक्ष में सिद्धार्थनगर विश्वविद्यालय कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर के नैक एक्रीडेशन हेतु प्रस्तुतिकरण की समीक्षा की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 हरिबहादुर श्रीवास्तव ने राज्यपाल जी

को अवगत कराया कि इस विश्वविद्यालय को वर्ष 2015 में स्थापित किया गया था और वर्ष 2020 में 05 वर्ष पूर्ण करके नैक ग्रेडिंग की अर्हता प्राप्त हो चुकी है। इस क्रम में विश्वविद्यालय के नैक मूल्यांकन हेतु सेल्फ स्टडी रिपोर्ट दाखिल करने की तैयारी की जा रही है।

बैठक में राज्यपाल जी ने सभी सातों क्राइटेरिया पर बिंदुवार समीक्षा की और सम्पूर्ण प्रस्तुतिकरण को समग्रता से पुनरावलोकन और सशक्त बनाने को कहा। उन्होंने विश्वविद्यालय की नैक टीम के सदस्यों से उनके शैक्षणिक अनुभव, शोध कार्यों की जानकारी लेते हुए उन्हें विश्वविद्यालय के हित में अनुभवों का बेहतर उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

राज्यपाल जी ने प्रस्तुतिकरण में विभिन्न बिंदुओं पर विवरण उल्लेख की कमी को लक्षित करते हुए हर बिंदु को विवरण से पुष्ट करने का निर्देश दिया। उन्होंने प्रस्तुतिकरण को अपूर्ण बताया और टीम सदस्यों को इस संदर्भ में विविध दिशा–निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि क्राइटेरिया के हेड अन्य नैक ग्रेडिंग प्राप्त विश्वविद्यालय की एस0एस0आर0 रिपोर्ट का अध्ययन कर अपने विश्वविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण सुधार करते हुए प्रस्तुतिकरण को भी सुदृढ़ करें। उन्होंने सभी टीम सदस्यों को एक साथ बैठकर एस0एस0आर0 तैयार करने का निर्देश दिया, जिसमें आपसी तालमेल के साथ रिपोर्ट और तथ्यों का समान आदान–प्रदान करके रिपोर्ट को सशक्त किया जा सके। उन्होंने सम्पूर्ण प्रस्तुतिकरण को एक जैसे फार्मेट पर बनाने को कहा।

समीक्षा के क्रम में राज्यपाल जी ने प्रस्तुतिकरण को बेहतर विवरण और गतिविधि वाले फोटो से युक्त करने, विश्वविद्यालय की नैक एक्रीडेशन

की उपयोगिता विद्यार्थियों को बताकर विविध गतिविधियों में उनकी प्रतिभागिता बढ़ाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को भी नैक तैयारी हेतु कार्य आवंटित कर सहभागिता कराएं।

राज्यपाल जी ने बेस्ट प्रैक्टिस में विविध गतिविधियों के नवीन सुझाव भी दिए। उन्होंने कहा कि विभिन्न एनजीओ से समन्वय स्थापित करते हुए गांव में बाल विवाह, दहेज प्रथा के उन्मूलन हेतु जागरूकता का प्रसार, विश्वविद्यालय से सम्बद्ध अन्य जनपदों से दहेज, बाल विवाह, टी0बी0 पेशेंट, कुपोषण संबंधी आंकड़े मंगवाए जाए व उन्मूलन हेतु विश्वविद्यालय स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएं, बालिकाओं के सर्वांगीण विकास व सामाजिक सशक्तिकरण के भी प्रयास किए जाएं।

बैठक में राज्यपाल जी ने सभी क्राइटेरिया की समीक्षा करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय की नैक टीम में नए सदस्य जोड़ें जाएं, टीम द्वारा अपने प्रस्तुतिकरण को सुधारा जाए, इसमें विविध समाजिक व कल्याणकारी विस्तार गतिविधियों के प्रारंभ से वर्तमान तक के फोटो लगाएं, नैक मूल्यांकन के मानक बिंदुओं को क्रम से पूरा करें, प्रत्येक सदस्य अपना प्रस्तुतिकरण स्वयं और सक्षमता से करें, छात्रों की विविध गतिविधियों में प्रतिभागिता बढ़ाते हुए उन्हें कार्य आवंटन भी करें। प्रस्तुतिकरण में फोटो की पुनरावृत्ति ना हो।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव श्री राज्यपाल डॉ0 सुधीर महादेव बोबडे, विशेष कार्याधिकारी शिक्षा श्री पंकज जॉनी, विश्वविद्यालय द्वारा गठित नैक मूल्यांकन तैयारी की टीम के सदस्य तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

———————

डा0 सीमा गुप्ता, कृष्ण कुमार,
सूचना अधिकारी, राजभवन
सम्पर्क सूत्र– 8318116361